यह है फूलों का बगीचा। फूलों का बगीचा और कांटों का जंगल यह संगम पर गाया जाता है। अब कांटों से फूल बन रहे हो। कांटे भी अनेक प्रकार के है। कोई बड़े कोई छोटे। पुरानी दुनियां में है ही कांटे का जंगल। उसमें भी बड़े कांटे कौनसे है? जो अपने को ईश्वर कह कर अपने को ही पुजवाते है। जो शिवोऽहम् कहते है बड़े कांटे तो वो है। बाप ने कहा है कि मैं आकर साधु सन्तों का भी उधार करता हूं। अब साधु पवित्र तो है परन्तु नाम बड़ा क्यों रखा है। क्योंकि ईश्वर की बहुत ग्लानी करते है। बाप को पत्थर भित्तर में कह कर उनकी इनसल्ट कर दी है। वो खुद समझते नहीं है। तुम बच्चों दवारा ही समझेंगी। ड्रामा के प्लान अनुसार इन आसुरी सम्प्रदायों की है आसुरी मत। रावण मत। तुम्हारी है ईश्वरिय मत। तुम्हारी है ईश्वरिय मत। तुम बच्चे जानते हो कि हम श्री-2 की मत पर चल रहे है श्री बनने के लिये। यही मनुष्य सब है भ्रष्टाचारी। गवर्मेंट भी कहते है भ्रष्टाचारी है। अपने को भ्रष्टाचारी नहीं समझते। बच्चे जानते है हम श्रेष्टाचारी बन रहे है। हम श्रेष्टाचारी थे। फिर रावण ने भ्रष्टाचारी बनाया है। बाबा ने समझाया था नां हम सो का अर्थ। यह धारण करने योग्य है। ओम का अर्थ भी समझाया और सो हम का अर्थ भी समझाया तो कितना रात-दिन का फर्क है। तुम बच्चों के सिवाय और कोई समझ नां सके। तुम्हारा ही पार्ट है। हम सो ब्राह्मण फिर सो देवता सो क्षत्री। अब तुम इस अर्थ को समझते हो। मनुष्य तो आत्मा सो परमात्मा कह देते है। बच्चों को अन्दर खुशी होती होगी कि सामने आये है बेहद के बाप के पास। प्रजापिता ब्रह्मा के भी बहुत बच्चे। इनको भी बहुत बच्चे। उनको कहेंगे बाप उनको कहेंगे मनुष्य सृष्टी के शरीरों का बाप। सभी का बाप। वो फिर सब आत्माओं का रूहानी बाप यह जिसमानी बाप। इनसे बड़ा तो कोई नहीं है बच्चे। इनसे वर्सा भी ऊंच मिलता है। विश्व के मालिक श्रीलक्ष्मी श्री नारायण बनते है। आधा कल्प लिये इतने सुखी बनेंगे तो गफलत नहीं करनी चाहिये। खुशी से जज करो कि यह कमाई साथ देगी किंवा? विवेक कहता है वो कमाई तो अल्प काल क्षण भंगुर के लिये है। यह कमाई 21 जन्मों तक साथ देगी। इस तरफ भी ध्यान नां देने से बहुत घाटा हो जावेगा। जितना याद करेंगे स्वदर्शन चक्रधारी बन बाप को याद करेंगे उतना ही कमाई होगी। अल्फ को याद करने में क्या तकलीफ है। परन्तु माया बड़े विघ्न डालती है। बाप कहते है सिर्फ अल्फ और बे को याद करो। बाप को याद करने से हम तमोप्रधान से सतोप्रधान हो जावेंगे। समय भी बहुत कम है। धन्धा धोरी करते भी अपने माशूक को याद करो तो अपने भविष्य लिये फायदा हो। वो कमाई कितना साथ देगी। कितने पदम पति है लेकिन तुम जानते हो कि वो कितने दिन होंगे। उनके पौत्रे पुत्र आद धन का वर्सा पा नहीं सकेंगे। वो तो समझते है हमारी वंशावली बहुत सुखी होगी। तुम जानते हो यह सब मिट्टी में मिल जाना है। हां अपने कुल के होंगे तो पिछाड़ी में ही आकर गरीब बनेंगे। बाप का परिचय लेंगे परन्तु गरीब बनेंगे। गरीब निवाज भी सिध कर बताते है नां। अच्छी रीती पुरूषार्थ करने से राजाई में वर्सा पा सकते है। ऐम आबजेक्ट सामने खड़ा है। उस धन्धे के साथ-2 कुछ समय निकाल कर बाप को याद करो। वो आधा कल्प का माशूक है। हे भगवान, हे प्रभु, हे राम कहते है नां। अबवो तो सम्मुख आते है। वो हर 5000 वर्ष बाद आते है कहते है मैं भारत को यह बना कर गया था अब फिर आया हूं यह बनाने। तुम भी कहते हो बाबा हम आप से यह वर्सा लेंगे। क्यु नहीं। भल बच्चे आद सम्भालो। सिर्फ बाप को याद करो और पावन बनो और स्वदर्शन चक्र फिराओ तो सतयुग में ऊंच पद पालेंगे। बाप का परिचय दो। 100 सुनेंगे उनमें से एक निकलेगा। बाप कहते है शान्ति का सागर पवित्रता का सागर मैं हूं। इन ल-न को ज्ञान का सागर नहीं कहेंगे। बच्चे जानते है 5000 वर्ष बाद फिर बाप आया है। बाप कल्याणकारी है तो बच्चों को भी कल्याणकारी बनना है। स्टुडेन्ट कहे कि पढ़ने का टाईम नहीं है तो फेल हो जावेगी। भारी चोटी है। ऐसी मछया का गुलाब नहीं बनना चाहिये। अच्छा बच्चों से गुड नाईटओम